राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | विक्रम संवत - 2082, मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष | ई बुलेटिन मासिक: नवंबर-2025

दीपोत्सव : स्वदेशी चेतना और सेवा-संस्कृति का प्रकाश

दीपावली केवल प्रकाश का पर्व नहीं, बल्कि वह क्षण है जब भारत अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों से शक्ति लेकर पुनः जागृत होता है। इस वर्ष सेवा भारती के मध्यभारत, हरियाणा, जयपुर, मेरठ और पंजाब प्रांतों ने दीपोत्सव को उत्सव से आगे बढ़कर स्वदेशी चेतना और आत्मनिर्भरता की साधना के रूप में मनाया।

सभी प्रांतों ने "**वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी पर गर्व**" का संकल्प लिया। बाजारों में चाइनीज़ सजावट के बीच सेवा भारती के प्रकल्पों में बहनों और बच्चों ने स्वदेशी दीप, दीये, लाइटें और पारंपरिक सजावट स्वयं बनाई, जो आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक बनीं।

मध्यभारत के संस्कार केंद्रों में बच्चों की रंगोली और दीप-सज्जा ने भारतीयता को जीवंत किया। हरियाणा के स्वयं सहायता समूहों, जयपुर की सेविकाओं और मेरठ की बालिकाओं ने स्वदेशी निर्माण से आत्मविश्वास और कौशल बढ़ाया। पंजाब के केंद्रों में बच्चों ने अपनी कला से परंपरा को संजोया।

19520	शिक्षा
9560	स्वास्थ्य
9392	सामाजिक
5649	स्वावलम्बन

सेवा कार्यवृत्त

"नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय - झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा 44121 सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं।"

प्रान्त: पंजाब

सेवा भारती गुरदासपुर द्वारा विभाग मंत्री श्री राकेश गुप्ता जी के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए दोरांगला क्षेत्र के **11 गांवों** में राहत सामग्री वितरित की गई। कुल **167 गर्म कंबल, 25 डिनर सेट, 13 वर्तन सेट, 13 कुकर, 25 चपाती बॉक्स, 70 चादरें, 15 तिरपाल, 100 पैकेट रस्क और 85 जोड़े** वस्त्र जरूरतमंद परिवारों को प्रदान किए गए। दो स्थानों — शमशेरपुर और दोरांगला — पर हुए कार्यक्रमों में 70 से अधिक परिवारों को सहायता मिली।

सेवा भारती कार्यकर्ताओं ने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों की हर संभव सहयोग जारी रहेगा।

प्रान्त: दक्षिण बंग

समाज सेवा भारती पश्चिम बंगाल और **वनबंधु परिषद** के संयुक्त आयोजन "विजय सम्मेलन 2025" ने कोलकाता–हावड़ा की सेवा बस्तियों में नई ऊर्जा, एकता और जागृति का संचार किया। 5 अक्टूबर 2025 को आयोजित यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा, संस्कृति और संगठन की शक्ति का जीवंत उदाहरण बना। मंच पर संघ और समाज के प्रमुख पदाधिकारी, शिक्षाविद् तथा समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलदीप प्रज्ज्वलन, भारत माता को पुष्पांजलि, और सेविका मातृशक्ति के स्वागत गीत से हुआ - जिसने पूरे वातावरण को राष्ट्रभावना और सेवा-समर्पण से भर दिया। सम्मेलन में समाज विकास के चार मुख्य स्तंभों:- **शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और स्वावलंबन** पर केंद्रित योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कोलकाता और हावड़ा की सेवा बस्तियों में रह रहे परिवारों के जीवन में परिवर्तन लाने हेतु ठोस कार्ययोजनाओं की घोषणा की गई। विजय सम्मेलन ने यह संदेश दिया कि "**सेवा केवल कार्य नहीं, साधना है; संस्कृति केवल परंपरा नहीं, जीवन दृष्टि है; और संगठन केवल समूह नहीं, समाज निर्माण की शक्ति है।**" कार्यक्रम का समापन शांतिपाठ के साथ हुआ।

प्रान्त: झारखंड

सेवा भारती झारखंड के तत्वावधान में छह दिवसीय प्रांतीय आचार्य व किशोरी विकास सेवा प्रशिक्षण वर्ग मधुवन, गिरिडीह में आयोजित हुआ। उद्घाटन क्षेत्र सेवा प्रमुख श्री त्रिवेणी साव द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस वर्ग में सेवाव्रती महिला कार्यकर्ताओं को शिक्षण की सरल पद्धति, नेतृत्व विकास, सामाजिक सुरक्षा और स्वावलंबन से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी श्री गुरुशरण प्रसाद ने कहा कि छोटी-छोटी विधाओं के माध्यम से समाज में बड़ा परिवर्तन संभव है। प्रशिक्षण के दौरान किशोरी विकास, भगिनी निवेदिता और रानी लक्ष्मीबाई के प्रेरक जीवन पर विशेष सत्र आयोजित हुए। साथ ही योग, खेल, वंदना और बस्ती सर्वेक्षण जैसे व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिए गए। यह वर्ग सेवा, साधना और सामाजिक परिवर्तन के प्रति समर्पण की प्रेरक मिसाल बना।

प्रान्तः उड़ीसा पूर्व

'सेवा दिवस' पर रक्तदान शिविर का आयोजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 9 अक्टूबर को उत्कलमणि पंडित गोपबंधु दास की जयंती "सेवा दिवस" के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर उत्कल विपन्न सहायता समिति द्वारा मांचेवर स्थित सेवा कार्यालय परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीपक कुमार राउत ने किया और युवाओं से आग्रह किया कि वे समाज की सेवा में आगे आएँ और रक्तदान को जीवन का एक महत्वपूर्ण संस्कार बनाएं। मुख्य अतिथि डॉ. प्रभात कुमार दास ने कहा कि समिति पिछले दो दशकों से इस अवसर पर लगातार रक्तदान शिविर आयोजित कर रही है।

प्रान्तः दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी ने वढ़ेरा भवन में सेवा भारती डायलिसिस सेंटर पर निःशुल्क डायलिसिस सेवा का शुभारंभ किया। यह केंद्र आर्थिक रूप से कमजोर रोगियों को **निःशुल्क डायलिसिस सुविधा** प्रदान करेगा। आधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित चिकित्सा के साथ यह पहल जरूरतमंदों के लिए जीवनदायिनी सेवा साबित होगी।

प्रान्तः दक्षिण बिहार

सेवा भारती पटना महानगर के द्वारिका उपभाग में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से काली देवी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस निःशुल्क केंद्र में महिलाओं को सिलाई, कटिंग और वस्त्र निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे स्वावलंबी बनकर आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें।

यह पहल सेवा भारती के महिला सशक्तिकरण के संकल्प को साकार करती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में प्रेरक कदम है।

प्रान्तः पंजाब

चंडीगढ़ में सेवा भारती द्वारा **भगवान् वाल्मीकि प्रकटोत्सव** पर सभी केंद्रों और भगवान् वाल्मीकि शक्ति पीठ (सेक्टर 24) में हवन-यज्ञ आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं और बालकों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में भगवान् महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों और शिक्षाओं को समाज में एकता, समानता और संस्कार के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। यह आयोजन मानवता और सामाजिक समरसता के संदेश का प्रेरक उदाहरण बना।

प्रान्तः केरल

गांधी जयंती सप्ताह के अवसर पर **सेवा भारती चालाकुडी** द्वारा तालुक अस्पताल परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। स्वयंसेवकों, अस्पताल कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों ने मिलकर परिसर की सफाई की और झाड़ियाँ हटाईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री पीठाम्बरन के द्वारा किया गया। सेवा भारती का यह प्रयास गांधीजी के स्वच्छता संदेश को समाज तक पहुँचाने और नागरिकों में सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी की भावना जागृत करने की दिशा में प्रेरक कदम है।

प्रान्तः दक्षिण तमिलनाडु

सेवा भारती ने वरदायनगर पालयम, एस.एस. कुलम संघ, मेट्टुपालयम जिले में कांडा षष्ठी उत्सव का भव्य आयोजन किया।

सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने एक साथ कांडा षष्ठी कवचम् का सामूहिक पाठ किया।

लगभग 110 भक्तों की सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था श्रीमती गोमथी और श्रीमती संध्या ने की।

प्रान्तः जम्मू कश्मीर

ग्रामीण बालिकाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवा भारती जम्मू-कश्मीर ने सेवा इंटरनेशनल के सहयोग से माई ब्लॉक की 40 बालिकाओं को साइकिलें वितरित कीं।

कार्यक्रम में जिला उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास (IAS) और एसडीएम माई सुश्री पल्लवी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि आत्मनिर्भर समाज की नींव को भी मजबूत बनाते हैं।

यह पहल SHE परियोजना (Sanitation, Hygiene & Empowerment) के अंतर्गत की गई है, जो देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं को शिक्षा और सशक्तिकरण के अवसर प्रदान कर रही है।

प्रान्तः उत्तर असम

उत्तर असम प्रांत के डिब्रूगढ़ जिले में सेवा भारती पूर्वांचल व नेशनल मेडिकोस ऑर्गनाइजेशन (NMO) के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए।

शिविरों में बड़ी संख्या में रोगियों को परामर्श, उपचार और दवाइयाँ दी गईं।

सेवा भारती की खेल उपलब्धियाँ

सामूहिक अनुशासन से चमकती स्वर्णिम पहचान

सेवा भारती के संस्कार केंद्रों, छात्रावासों और विद्यालयों में विकसित होने वाला अनुशासन, राष्ट्रभाव और कर्तव्यनिष्ठा आज खेल के विभिन्न मंचों पर नई पहचान बना रहे हैं। इस वर्ष विशेष रूप से दो प्रांत जम्मू कश्मीर और दिल्ली ने ऐसी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं, जो केवल खेलीय सफलता नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरक संदेश हैं कि जहाँ सेवा, संस्कार और समर्पण होता है, वहाँ श्रेष्ठता स्वतः मार्ग प्रशस्त करती है।

प्रान्त: जम्मू कश्मीर

सेवा भारती लद्दाख के दक्ष छात्रावास के पूर्व छात्र अंग्रेज़ सिंह ने इंटर कॉलेज हॉकी टूर्नामेंट 2025–26 में स्वर्ण पदक जीतकर असाधारण उदाहरण प्रस्तुत किया है। सीमित संसाधनों में पले-बढ़े एक विद्यार्थी ने जब अनुशासन, कठोर परिश्रम और उत्तम मार्गदर्शन को अपना आधार बनाया, तब चुनौती कोई बाधा नहीं रही। अंग्रेज़ सिंह की यह विजय केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उस संस्कार-परंपरा की जीत है जिसे सेवा भारती ने वर्षों की निष्ठा से पोषित किया है। खेल का यह स्वर्ण पदक, लद्दाख के एक विद्यार्थी की प्रतिभा के साथ—उन मूल्यों की चमक भी है जो उसे सेवा भारती के वातावरण से प्राप्त हुए: आत्मविश्वास, राष्ट्रनिष्ठा और अपनी क्षमता को कठिन परिस्थितियों में भी सिद्ध करने का साहस।

प्रान्त: दिल्ली

दिल्ली प्रांत में सेवा धाम विद्या मंदिर की अंडर-14 बास्केटबॉल टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्या भारती की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त किया। इन नन्हे खिलाड़ियों ने सिद्ध किया कि खेल केवल तकनीक या कौशल नहीं, बल्कि सुसंस्कृत जीवन, नियमित साधना और उचित मार्गदर्शन का परिणाम है। इस सफलता में प्रशिक्षकों की निष्ठा, विद्यालय का खेल-प्रेरक वातावरण और सेवा भारती द्वारा दिए जाने वाले संस्कारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जम्मू–कश्मीर और दिल्ली—दोनों प्रांतों की ये उपलब्धियाँ दर्शाती हैं कि सेवा-आधारित शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहती; यह खेल, कला और समाजसेवा जैसे क्षेत्रों में आत्मविश्वास और उत्कृष्टता को जन्म देती है। सेवा भारती का सतत प्रयास बच्चों को न केवल शिक्षित कर रहा है, बल्कि उन्हें सक्षम, सुसंस्कृत और राष्ट्रप्रेमी नागरिक बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। ये सफलताएँ बताती हैं कि जब सेवा और संस्कार जीवन का आधार बनते हैं, तो सफलता स्वाभाविक हो जाती है।

प्रान्त: आंध्र प्रदेश

मोंथा तूफ़ान से प्रभावित तोकरायी गाँव के लगभग 200 लोगों को धारकोंडा हाई स्कूल में आश्रय दिया गया। पुलिस व राजस्व विभाग ने भोजन की व्यवस्था की। आरएसएस धारकोंडा शाखा के स्वयंसेवकों ने गणवेश में पहुँचकर पीड़ितों से मुलाकात की, सहायता प्रदान की और दोपहर के भोजन की व्यवस्था का भी संकल्प लिया।

प्रान्त: हरियाणा

करनाल में सेवा भारती हरियाणा द्वारा प्रांतीय संस्कृति ज्ञान प्रवाह प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से 73 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

छात्रावास वर्ग में हिसार के अभिषेक व प्रिंस ने प्रथम स्थान, करनाल के पवित्र, मनीष व मोहित ने द्वितीय, और अभिषेक (करनाल) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

महिला केंद्रों में चंचल (फरीदाबाद) ने प्रथम, नंदिनी (फरीदाबाद) ने द्वितीय और तमन्ना (करनाल) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बाल संस्कार केंद्रों में भी बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया।

प्रान्त: हिमाचल

सेवा भारती व्यासपुर द्वारा एम्स कोठीपुरा में चाय-रस्क, बिस्तर और हेल्प डेस्क सेवाएं संचालित की गईं।

कुल 270 कप चाय, 25 पैकेट रस्क, 117 गद्दे, 115 कंबल, तथा 317 मरीजों को हेल्प डेस्क सेवा दी गई।

प्रान्त: केरल

पझवंगडी गणपति मंदिर और सेवा भारती के संयुक्त प्रयास से संचालित महिला कौशल विकास केंद्र की दूसरी सिलाई प्रशिक्षण बैच सफलतापूर्वक पूरी हुई।

105 दिवसीय प्रशिक्षण में 20 महिलाओं ने भाग लिया और जन शिक्षा संस्थान (JSS) द्वारा आयोजित प्रमाणपत्र परीक्षा उत्तीर्ण की।

यह प्रशिक्षण न केवल रोजगार और आत्मनिर्भरता का माध्यम बना, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास और स्वावलंबन की नई भावना भी जागृत की।

संत ईश्वर सम्मान 2025 — निःस्वार्थ सेवा का सम्मान

नई दिल्ली में आयोजित **संत ईश्वर सम्मान 2025** ने एक बार फिर साबित किया कि भारत की ताकत उसकी मिट्टी में जन्मे वे शांत साधक हैं, जो बिना पहचान चाहे, जीवनभर समाज के लिए जलते दीपक बने रहते हैं। इस वर्ष कार्यक्रम का **10वाँ संस्करण था**—एक दशक, जो हजारों जीवनों में उजाला भर चुका है।

इस विशेष अवसर पर **18 उत्कृष्ट समाजसेवियों और संस्थाओं** को सम्मानित किया गया और **₹32 लाख** की अनुदान राशि प्रदान की गई—उन प्रयासों के लिए जो समाज की दिशा बदल देते हैं।

वो जिन्होंने कठिन धरती पर भी सेवा की हरियाली उगाई

जनजातीय विकास में: **महामंडलेश्वर रघुनाथ दास जी, डॉ. अंबेडकर वनवासी कल्याण ट्रस्ट (गुजरात), और कटुंग वाघे (अरुणाचल प्रदेश)** ने दूरस्थ पहाड़ों और जंगलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आशा की लौ जलाई।

वो जिन्होंने गाँवों को आत्मनिर्भरता की राह दिखाई

ग्रामीण क्षेत्र में: **ग्राम विकास संघम (आंध्र प्रदेश), रेखा प्रभाकर चौहान (महाराष्ट्र), और निधि त्रिपाठी (उ. प्रदेश)** ने ग्रामीण जीवन में नई संभावनाएँ जगाईं—कौशल, आजीविका और सम्मान से भरी।

वो जिन्होंने विशेष योगदान से समाज का हृदय छुआ

विशेष योगदान क्षेत्र में: **मारिंगमेई गैंगमलुंग (मणिपुर), मातृछाया ट्रस्ट (गोवा), और केशव सेवा धाम दिव्यांग आश्रम (मध्य प्रदेश)** ने मानवता, संवेदना और समावेशिता को नया अर्थ दिया।

वो जिन्होंने महिलाओं और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित किया

महिला एवं बाल विकास में: **किसनराव चौरे (महाराष्ट्र), चित्रा शाह (पुडुचेरी), मानव सेवा संस्थान (बिहार), और पोटुकुची श्रीनिवास (तेलंगाना)** ने बाल संरक्षण, शिक्षा, पोषण और महिला स्वावलंबन में प्रेरक कार्य किए।

प्रान्त: महाकोशल

आईटीआई सेवा बस्ती में स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया।

प्रान्त: केरल

वडुवांचल कोट्टूर जननी क्लब में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

प्रान्त: मेरठ

करवाचौथ के शुभ अवसर पर विभिन्न स्थानों पर मेहंदी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

प्रान्त: पंजाब

हुसैनीवाला क्षेत्र के बाढ़ग्रस्त गाँव जला, भानेवाला और गट्टी रहीमे में निरंतर राहत कार्य चला।

प्रान्त: उत्तराखंड

करवाचौथ के अवसर पर विभिन्न बस्तियों में सेवा भारती की बहिनों द्वारा मेंहदी लगाने का स्वावलंबी आयोजन किया।

प्रान्त: उत्तर असम

दो दिवसीय सेवा भारती पूर्वी क्षेत्र के सेवा ब्रती कार्यकर्ता वर्ग सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

प्रान्त: मध्य भारत

शिवपुरी जिले के सहरिया बनवासी बालक छात्रावास में कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया।

प्रान्त: दक्षिण तमिलनाडु

कॉलेज विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

प्रान्त: छत्तीसगढ़

दीपावली पर सेवा भारती कार्यकर्ताओं ने सेवा बस्तियों में दीपक, मिठाइयाँ, पटाखे और उपयोगी उपहार वितरित किए।

राष्ट्रीय सेवा भारती
वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618, मोबाइल न. 09868245005